मेहनतकशों का पैग़ाम मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com

Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

किसानों को अपना झूठ बताने उतरे मोदी के मंत्री 3
चोर अफसरों के बिगाड़े काम 4
ट्रेड यूनियन आंदोलन मजबूत होता तो रेलवे न बिकता, बैंक न लुटते 5
विचार खिड़की : चार महत्वपूर्ण लेख 6
विनिवेश शिखंडी अरुण शौरी के अर्जुन थे खुद वाजपेयी 8

वर्ष 33 | अंक 45 | फरीदाबाद | 20-26 सितम्बर 2020 | फोन-8851091460 | ₹3.00

पड़ताल

गुंडे, वन विभाग और पुलिस जब बेच रहे थे अरावली को, तब कहां थी सरकार

विवेक कुमार

फ़रीदाबाद : अरावली के खोरी इलाके में सैकड़ों बेघर लोग अब अपना घर कभी नहीं बना पायेंगे। खोरी में पिछले कई सालों से स्थानीय गुंडे, वन विभाग के कुछ भ्रष्ट कर्मचारी और कुछ पुलिस वाले जब यहां पर जमीनें बेच रहे थे उस समय एमसीएफ समेत हरियाणा सरकार की सभी एजेसियां सो रही थीं।

बीते 14 सितम्बर की सुबह फरीदाबाद के अरावली पहाड़ो में स्थित खोरी गाँव के जंगलात में अवैध प्लाट काट कर उनपर बनाये घरों को ढहाने के लिए निगम महकमा पुलिस दस्ता लेकर पहुंचा। 150 एकड़ में बसे लगभग 15000 की आबादी वाले इस इलाके के लगभग 400 मकानों को जमींदोज कर दिया गया। बाकी बचे मकानों को जल्दी ही तोड़ने की कवायद अभी चल रही है।

26 वर्षीय दीपक ने बताया कि यूँ तो यहाँ पुलिस नहीं आती थी पर पिछले कई दिनों से पुलिस की कुछ मोटरसाइकिलें यहाँ चक्कर काटने लगीं थी। एक दिन इलाके के लोगों ने कारण पूछा तो पुलिस वालों ने कहा कि सामने वाले प्लॉट में प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी आने वाले हैं इसलिए हम देख रहे हैं कि कहीं कोई उग्रवादी न हों। पुलिस की बात को मान कर लोग बेखबर अपने काम धन्द्धे में लगे रहे और अचानक 14 सितम्बर को दिन में भारी मात्रा में पुलिस और प्रशासन जेसीबी लेकर आ गया और हमारे घरों को जमींदोज कर गया।

लोकल गुंडों के माध्यम से प्रशासन ने गरीबों का सब लूट लिया

महेंद्र सिंह अलीगढ़ उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं और अपनी आठ बेटियों के साथ अरावली में अवैध बनी इस बस्ती में 15 वर्षों से रह रहे थे। उनकी दो बकरियों और मुर्गियों के पास तक रहने को एक छप्पर नहीं बचा तो उनकी तो बात ही क्या की जाए। सारा सामान उठा कर पहाड़ में बने एक गड्ढे में डाल दिया। बुढ़ापे की अवस्था में महेंद्र ने जिन्दगी की सारी कमाई अपने मकान में लगा दी थी। बबूल के पेड़ की छांव में अपने सामन को इकठ्ठा कर घुटनों को पेट में दे कर बैठी महेन्द्र की पत्नी बस रो रही है, उनके पास घर के नाम पर अब सिर्फ बिखरी इंटें और मलबा ही पड़ा है। पुलिस वालों ने उन्हें अपना मकान बचाने के एवज में पीटा और उनकी छाती पर मुक्के भी मारे।

संदीप सिंह बिहार के रहने वाले हैं और फरीदाबाद के ढाबे में खाना बनाने का काम करते थे। अपने 2 लाख रुपये की गाड़ी कमाई राजदीप नामक आदमी को देकर अपने ही हाथो से घर बनाया था। संदीप ने बताया कि राजदीप से यह जमीन 10 साल पहले ली थी, उस वक्त राजदीप ने एक पर्ची पर लिख कर दे दिया और पक्के कागज देने की बात मकान बना लेने के बाद कही। जब तक राजदीप जिंदा था तब तक टूटने का ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया, तो हमें भी विश्वास था कि नहीं टूटेगा। अब जब मकान टूट गया है तो किसे जा कर पकड़े, क्योंकि राजदीप अब इस दुनिया में नहीं।

राजदीप के बाद अनंगपाल नामक व्यक्ति का नाम सामने आया जो मुख्य रूप से प्लाट बेचता है और उसका सारा खानदान इसी अवैध कमाई में लिप्त है। अनंगपाल का जीजा जिसका नाम(तेजबीर या राजबीर) स्पस्ट रूप से सामने नहीं आया, मोटरसाईकिल पर घूम-घूम कर पूरे इलाके में वसूली करता है और उसके लग्गे-भग्गे गरीबों को धमकाने का भी काम करते हैं। पैसे न मिलने की सूरत में ये गुंडे लोगों के शेष पेज दो पर

जननायक जनता पार्टी ने किसानों से माफी मांगी.....

जेजेपी पर दबाव बढ़ा, कर सकती है अध्यादेशों का विरोध

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: किसानों के मुद्दों पर भाजपा चारों तरफ से घिर गई है। भाजपा के प्रमुख सहयोगी शिरोमणि अकाली दल से केंद्र में मंत्री हरसिमरत बादल ने खेती-किसानों के खिलाफ जारी तीनों अध्यादेशों के खिलाफ गुरुवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा का ऐलान किया। इसके एक घंटे के अंदर देश की किसान राजनीति में भूचाल आ गया। आधी रात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सारी राजनीति चारों खाने चित्त हो गई और उन्हें ट्विटर के जरिए बयान देना पड़ा कि किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य जारी रहेगा, मंडियां बंद नहीं होंगी। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर भी बैकफुट पर आये और उन्हें भी यही बयान दोहराना पड़ा। हरियाणा में भाजपा की प्रमुख सहयोगी पार्टी जननायक जनता पार्टी ने पीपली में किसानों पर हुए लाठीचार्ज के लिए माफी मांगी और कहा कि यह लाठी देवीलाल परिवार पर पड़ी है। लेकिन मामला यहीं थमा नहीं। जेजेपी में अब दुष्यंत चौटाला पर दबाव है कि वह केंद्र सरकार के तीनों किसान विरोधी अध्यादेशों के खिलाफ खुलकर बयान दें, अन्यथा हरियाणा में किसानों के वोट लेकर आई इस पार्टी को लेने के देने पड़ जाएंगे।

खेती-किसानी को खाक में मिलाने वाले तीन केंद्रीय अध्यादेशों के खिलाफ पंजाब में पिछले चार दिनों से किसानों का जबरदस्त आंदोलन चल रहा है लेकिन देश का गोदी मीडिया उसे कवर नहीं कर रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने जब बयान दिया कि इन अध्यादेशों पर पंजाब के मुख्यमंत्री की राय नहीं ली गई, जबकि पंजाब सबसे बड़ा कृषि उत्पादक राज्य है। पंजाब सरकार किसानों के साथ है। वे जैसा चाहेंगे, पंजाब सरकार वो सब करने को तैयार है। इसके बाद पंजाब की आम आदमी पार्टी ने भी

दुष्यंत चौटाला

किसानों के हक में बयान जारी कर दिया। इससे शिरोमणि अकाली दल बैकफुट पर आ गया और उसे पंजाब के किसान बेल्ट में अपनी जमीन सरकती नजर आई। सूत्रों ने बताया कि पार्टी सुप्रीमो प्रकाश सिंह बादल ने शाम को ही अपने बेटे सुखबीर सिंह बादल से सलाह की और उसके बाद बहू हरसिमरत को इस्तीफा देने का निर्देश दे दिया गया। भाजपा के रणनीतिकारों से लेकर खुफिया विभाग देखने वाले अमित शाह को अपने सहयोगी दल के इस कदम की भनक तक नहीं लगी और वे हैरान रह गए। इस घटनाक्रम के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय में फौरन विचार किया गया। पहले इस संबंध में कृषि मंत्री से बयान दिलाने पर विचार किया गया। लेकिन मोदी के रणनीतिकारों ने कहा कि सहयोगी दल के मंत्री के इस्तीफे से गलत संदेश जा रहा है, इसलिए बयान प्रधानमंत्री के स्तर पर आना चाहिए। काफी माथापच्ची के बाद आधी रात को मोदी ने ट्वीट किया और किसानों से भ्रम में न आने की अपील की।

जेजेपी ने माफी मांगी

हरियाणा के पीपली में किसानों पर हुए लाठीचार्ज को जब सोशल मीडिया ने मुद्दा बना दिया तो जेजेपी को होश आया। जेजेपी नेता और इनसो के रष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर पुलिस लाठीचार्ज के लिए किसानों से माफी मांगी। दिग्विजय ने कहा कि यह लाठी किसानों पर नहीं, देवीलाल परिवार पर चली है। हालांकि पत्रकारों ने दिग्विजय से पूछा कि जब उनके भाई दुष्यंत चौटाला राज्य के डिप्टी सीएम हैं तो इन हालात में बिना उनके आदेश के पुलिस यह कदम कैसे उठा सकती है। दिग्विजय ने कहा कि दुष्यंत का लाठी चार्ज से कोई मतलब नहीं है और न ही उन्होंने इस तरह का कोई शेष पेज तीन पर